(3) क्या आवाज से कर्मचारियों की दक्षता प्रभावित होती है? उनके प्रभावों को नियंत्रित करने के उपाय बताएँ।

Does noise affect workers' efficiency? Suggest measures to control their effect.

कोलाहल से तात्पर्य किसी भी तीव्र, अर्थहीन तथा असंतुष्टि उत्पन्न करने वाली आवाज़ से होता है। कोलाहल का प्रभाव उद्योग एवं संगठनों के कार्यकर्ताओं तथा उनकी कार्यक्षमताओं पर भी पड़ता है। कोलाहल मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं—

(अ) स्थिर कोलाहल (constant noise)
(ब) आंतरायिक कोलाहल (Intermittent noise)

(अ) स्थिर कोलाहल - स्थिर कोलाहल को सतत कोलाहल भी कहा जाता है। स्थिर कोलाहल वह है जिसका स्तर निरन्तर लगभग समान होता है। चूँकि कार्यकर्ता ऐसे कोलाहल से आसानी से अनुकूलित (adapt) हो जाते हैं अतः इनका प्रभाव कार्यकर्ताओं पर गंभीर रूप से नहीं पड़ता है।

(ब) आंतरायिक कोलाहल - आंतरायिक कोलाहल वैसे आवाज को कहा जाता है जिसका स्तर एक समान न होकर उसमें ज्यादा-कम होता रहता है और ऐसे ही कोलाहल से औद्योगिक कार्यक्षमता काफी अधिक प्रभावित होती है। कोलाहल को माप डेसिबल (decibel or db) में किया जाता है।

मनोवैज्ञानिकों ने कोलाहल के प्रभावों को निम्नलिखित तीन वर्गों में बाँटा है—

Scanned with CamScanner

(क) कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य पर कोलाहल का प्रभाव
(effect of noise upon health of workers)

(ख) कार्य-निष्पादन पर कोलाहल का प्रभाव
(effect of noise upon job performance)

(ग) मनोबल पर कोलाहल का प्रभाव
(effect of noise upon morale)

(क) कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य पर कोलाहल का प्रभाव – अत्यधिक कोलाहल वाले स्थान पर कार्य करने से कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। ट्राहियोटिस एवं रॉबिन्सन (Trahiotis & Robinson, 1979) ने अपने अध्ययन में पाया कि 120db से अधिक स्तर के कोलाहल में कार्य करने पर कार्यकर्ताओं में अस्थायी बहरापन (temporary deafness) तथा 130db से अधिक स्तर के कोलाहल में कार्य करने पर स्थायी बहरापन (permanent deafness) उत्पन्न हो जाता है। डौनरस्टीन तथा विलसन (Donnerstein & Wilson, 1976) के शोधों से यह प्रमाणित हुआ है कि तीव्र कोलाहल से कार्यकर्ताओं में संवेगिक अस्थिरता उत्पन्न हो जाती है जो तनाव का मुख्य स्रोत है। कोलाहलपूर्ण वातावरण में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं में शांत अवस्थाओं में कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की अपेक्षा अधिक आक्रमकता (aggressiveness), अविश्वास (distrustfulness) तथा चिड़चिड़ापन (irritability) उत्पन्न हो जाता है।

(ख) कार्य-निष्पादन पर कोलाहल का प्रभाव – कोलाहल का कार्य-निष्पादन एवं उत्पादन

Scanned with CamScanner

पर सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया कि कार्य-निष्पादन कोलाहल से प्रभावित नहीं होता। ब्रोडबेंट एवं लिटिल (Broadbent & Little, 1960) ने अपने अध्ययनों में पाया कि कोलाहल में कमी होने से उत्पादन-स्तर में उन्नति नहीं होती है। लेकिन कार्यों में त्रुटियाँ अवश्य कम हो जाती हैं। कुछ अध्ययनों में कोलाहल में कमी होने से उत्पादन का स्तर उन्नत होते भी देखा गया है।

मैककार्टनी (McCartney, 1981) ने एक अध्ययन किया जिसमें उन्होंने पाया कि जब कार्यकर्ताओं को कोलाहलपूर्ण अवस्था से शांत अवस्था में कार्य करने के लिए कहा गया, तो उनकी उत्पादकता में 3% की वृद्धि हुई तथा त्रुटियों में 1/8 संख्या की कमी आई। इसी प्रकार से ऑफिस कोलाहल में 14.5% की कमी तथा कार्य में 8.8% वृद्धि पाई गई तथा टाइपिस्ट की त्रुटियों में 24% की कमी हुई।

(ग) कोलाहल का मनोबल पर प्रभाव — कोलाहल, चिड़चिड़ापन तथा तनाव उत्पन्न करता है, अरुचिकर अवस्था उत्पन्न करता है। कोलाहल में कमी या नियंत्रण कार्यकर्ताओं के मनोबल को ऊँचा करता है।

उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि कोलाहल कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य, मनोबल, उत्पादन एवं निष्पादन को प्रभावित करता है। कोलाहल को नियंत्रित करने के कुछ उपाय निम्नलिखित हैं—

(i) कोलाहल उत्पन्न करने वाले मशीनों को दूर हटाकर रखना
(ii) कोलाहल उत्पन्न करनेवाले मशीन के कमरे में आवाज नियंत्रित करने के लिए वैसी सामग्री लगाना जो आवाज नियंत्रित कर सके।
(iii) कार्यकर्ताओं को ऐसे कोलाहल से बचाने के लिए कर्ण-बचाव उपकरण (ear-protection devices) जैसे इयरप्लग, हेलमेट आदि पहनकर कार्य करने के लिए बाध्य करना
(iv) उद्योग में ऐसी मशीनों को लगाना जो आवाज कम उत्पन्न करनेवाली हो

Scanned with CamScanner